Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–6207

PAPER–III
COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

Comparative Study of Religions

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage and give answers of questions No. 1 to 5 given below in 30 words

One of the most important consequences of the spiritual revolution which has been described was the bifurcation of belief and organisation as religion and the state. The religions of this period, and some of the philosophies which grew into schools and united people around a common belief, threw upon the individual the responsibility of distinguishing between right and wrong, and made him realise that his real happiness, his fulfilment, his salvation lay in doing what was right. Not only the ruler but also the priest, not only power and the material good it could provide, but also temples, offerings, ritual were declared to be of no service or help to man in his moral striving. Kings and priests would be instruments of evil unless they also accepted the responsibilities imposed on them by the true religion. We do not, therefore, after this period see the assimilation of beliefs, the transformations of deities taking place as a matter of course to give religious and ritualistic sanction to political changes, to conquest or subjection of one people by another. Instead, we find individuals and religious communities by themselves or through their rulers and armies judging, supporting or opposing individuals or religious communities holding other beliefs.

(M. Mujeeb, World History -Our Heritage, P.96)

निम्नांकित अनुच्छेद को पढकर उसके नीचे दिये गये प्रश्न संख्या 1 से 5 के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

आध्यात्मिक क्रान्ति के सबसे प्रसिद्ध परिणामों में से एक है- धर्म और राज्य के रूप में विश्वास और संगठन को बांटना। मतवादों के रूप में विकसित तथा सामान्य विश्वासों के इर्द-गिर्द लोगों को संगठित करनेवाले इस युग (600 ई.पू.- 200 ई.) के धर्म और कतिपय दर्शन ने व्यक्ति पर सही और गलत को पहचानने की जिम्मेवारी डाली और उन्हें यह ज्ञात कराया कि उनका वास्तविक सुख, उनकी पूर्णता, उनकी मुक्ति जो सही है उसकी क्रियान्विति पर निर्भर है। न केवल शासक या धर्मनेता, केवल शक्ति और भौतिक वस्तुएँ अपितु मंदिर, चढ़ावा, क्रियाकाण्ड भी मनुष्य के नैतिक पुरुषार्थ में कोई मददगार या सहयोगी नहीं बनते है और उन्हें सही बात की क्रियान्विति नहीं कराते हैं।

राजा और धर्मनेता बुराई के साधन हो सकते हैं जबतक कि वे सच्चे धर्म द्वारा डाली गयी जिम्मेवारी को स्वीकार न करें। इसलिए इस युग के बाद स्वाभाविक रूप से धर्मों में आपसी सामन्जस्य और आराध्य देवी-देवताओं में परिवर्तन तथा एक जनसमूह द्वारा दूसरे को जीतने या अधीन करने के लिए राजनैतिक बदलाव एवं धार्मिक क्रियाकाण्डों की स्वीकृति हम नहीं देखते है।

- वर्ल्ड हिस्ट्री अवर हेरिटेज -एम. मुजीब

1. What was the most important consequence of the spiritual revolution during the period as mentioned ?

उल्लिखित काल में आध्यात्मिक क्रान्ति का सबसे प्रसिद्ध परिणाम कौन-सा था?

2. What responsibilities did the religions and philosophies of the period throw upon the individual while uniting people around a common belief ?

लोगों को एक आम विश्वास के इर्द गिर्द इकट्ठा करते समय धर्मों और दर्शनों ने व्यक्ति पर कौन कौन सी जिम्मेदारियाँ डाली थी ?

3. Where did the real happiness of man, his fulfilment, his salvation lie during that period ?

उस काल में मनुष्य का वास्तविक सुख, उसकी पूर्णता, उसकी मुक्ति किस पर आधारित थी ?

4. What were the instruments of political changes in the form of conquests and subjection of one people by another during that period ?

उस काल में एक जनसमूह के द्वारा दूसरे जनसमूह पर विजय करने और अधीनस्थ करने के कौन कौन से साधन थे ?

5. What was the approach of the individual and religious communities of the period towards their counterparts if they held other beliefs ?

उस काल के व्यक्ति और धार्मिक समूहों का अपने विपरीत समूहों के प्रति क्या रुख होता था ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Is rationalism a challenge to religions ? Give your views.
क्या तर्कबुद्धिवाद धर्म के लिए एक चुनौती है, अपना मत व्यक्त करें।

7. Define any one of the basic concepts of Tribal Religion.
आदिवासी धर्म की किसी एक बुनियादी अवधारणा को परिभाषित कीजिए।

8. Discuss the place of the Vinayapiṭaka in the Tipitaka.
तिपिटक में विनय पिटक के स्थान का विवेचन कीजिये।

9. What do you know about the Aṭṭhakathā-s ? Discuss.
आप अट्ठकथाओं के बारे में क्या जानते हैं? विवेचन कीजिये।

10. What do you know about Tīrthaṅkara Ṛṣabhadeva.
तीर्थंकर ऋषभ देव के सम्बन्ध में आप क्या जानते हैं।

11. What are the five vows of householder preached by Lord Mahāvīra ?
भगवान् महावीर द्वारा उपदेशित गृहस्थों के पाँच व्रत कौनसे हैं?

12. Define the term Sufism.
सूफीमत की परिभाषा का उल्लेख कीजिए।

13. List ten basic virtues which Allah expects Muslims to acquire.

उन दस बुन्यादी नेकियों को लिखिये जो अल्लाह मुसलमानों में उपलब्ध कराने की अपेक्षा करता है।

14. Who started Bhakti movement ? Answer.

भक्ति आन्दोलन की शुरुआत किन्होंने की ? उत्तर दीजिए।

15. "Satyameva Jayate" – clarify the meaning of the statement.
''सत्यमेव जयते'' इस वाक्य का क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।

16. Give atleast three definitions of Religion.
धर्म की न्यूनतम तीन परिभाषाएं दीजिए।

17. Describe the parable of 'good samaritan'.
'धार्मिक सेमरायी' की कथा का वर्णन कीजिए।

18. Write a commentary on the prayer "our father", taught by Jesus.
ईसामसीह द्वारा उपदेशित 'हमारे पिता' की प्रार्थना पर व्याख्या लिखिए।

19. Write a short note on the activities of the sons of Guru Nanak.
गुरु नानक देव जी के सुपुत्रों के कार्यों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

20. Write five K's of the code of conduct according to Sikhism.
सिक्ख धर्म अनुसार रहत मर्यादा के पाँच ककारों के नाम लिखिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

HINDUISM

हिन्दूधर्म

21. Describe the doctrine of rebirth according to Hinduism.
हिन्दू धर्मानुसार पुनर्जन्म की व्याख्या कीजिए।

22. Discuss the concept of four-fold-Puruṣārtha.
चार पुरुषार्थ (पुरुषार्थचतुष्य) की अवधारणा पर विचार कीजिए।

23. Explain the basic tenets of the yoga philosophy.
योगदर्शन के मूल सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

24. Write about the importance of bhakti with reference to the Vaiṣṇava Sect.
वैष्णव सम्प्रदाय में भक्ति का महत्व बतलाइये।

25. Highlight the Karmayoga as described in the bhagawadgītā .
भगवद्गीता में वर्णित कर्मयोग पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

JAINISM

जैन धर्म

21. Discuss briefly the seven fundamentals according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार संक्षेप में सात पदार्थों की व्याख्या कीजिए।

22. Throw light on the concept of liberation (mokṣa) according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार मोक्ष की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

23. Write a short note on the Jaina temples of Khajuraho.
खजुराहो के जैन मंदिरों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

24. Write short notes on the following :
(a) Lord Mahavīra
(b) Acārya Kundakunda
निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए –
(अ) भगवान् महावीर
(ब) आचार्य कुन्दकुन्द

25. Throw light on the significance of Non-violence (Ahiṁsā) according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार अहिंसा के महत्व पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

BUDDHISM

बौद्ध धर्म

21. Write a short note on the biographies of the Buddha.
भगवान् बुद्ध के जीवन चरित संबन्धी ग्रन्थों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

22. Buddhism is called the Middle path. Discuss the significance of this statement.

बौद्ध धर्म मध्यम मार्ग है। इस वक्तव्य के महत्व का विवेचन कीजिये।

23. Discuss the role of the kings in propagation of Buddhism.

बौद्ध धर्म के प्रचार में शासकों की भूमिका का विवेचन कीजिये।

24. Throw light on different sects of Buddhism .

बौद्ध धर्म के विविध सम्प्रदायों पर प्रकाश डालिये।

25. Write a short essay on the revival of Buddhism in India.

भारत में बौद्ध धर्म के पुनरुत्थान पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिये।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

CHRISTIANITY

ईसाई धर्म

21. What do you understand by the protestant churches in India – write.

भारत में प्रोटेस्टेन्ट चर्च के विषय में आप क्या समझते हैं- लिखिए।

22. What are the teachings of the Catholic Church today about other religions. Discuss.

अन्य धर्मों के विषय में कैथोलिक चर्च की आज क्या शिक्षाएँ हैं - वर्णन कीजिए।

23. How does Christianity understands 'creation' and 'evolution' – write.

सृष्टि के विकास के सम्बन्ध में ईसाई धर्म के क्या विचार हैं, लिखिए।

24. Describe about the beginning of Christianity in 1 - 4 centuries A.D.

ईसा की 1 - 4 सदी में ईसाई धर्म के प्रारम्भ के सम्बन्ध में वर्णन कीजिए।

25. Comment on any two Indian Christian Saints of the Catholic Church

कैथोलिक चर्च के किन्हीं दो भारतीय सन्तों के सम्बन्ध में टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

ISLAM

इस्लाम धर्म

21. Discuss the salient points of the sermon of the prophet Muhammad during his Farewell Pilgrimage.

पैगम्बर मुहम्मद के हिज्जतुलविदा के प्रवचन के मुख्य बिन्दुओं का विवेचन कीजिए।

22. What are the duties of a Muslim towards parents, relatives, neighbours and the needy? Explain.

अपने माँ-बाप, रिश्तेदार, पड़ोसी और जरूरतमंदों के प्रति एक मुसलमान के क्या कर्त्तव्य हैं? व्याख्या कीजिए।

23. Describe distinguishing features of the pious caliphate

खिलाफते राशिदा की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।

24. Write about the trade and commercial activities of Muslims under the Abbasids.

अब्बासि जमाने में मुसलमानों के व्यापार और वाणिज्य संबंधी गतिविधियों का परिचय दीजिए।

25. Write about the development of Sufism in India and its impact on society.

भारत में सूफ़ी सिलसिला के विकास और समाज पर इसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - VI

विकल्प – VI

SIKHISM

सिक्ख धर्म

21. Write a short note on Puratan Janamsakhi.
पुरातन जन्म साखी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

22. Throw light on the martyrdom of Guru Arjan.
गुरु अर्जन देव की शहादत पर प्रकाश डालिये।

23. Write a short note on the contribution of Pir Budhu Shah.
पीर बुद्धू शाह के योगदान पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

24. Clarify the concept of creation according to Sikh Religion.
सिक्ख धर्म के अनुसार सृष्टि रचना की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

25. Write a short note on Gadar movement.
गदर लहर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on the philosophical contents of Upaniṣads.
उपनिषदों के दार्शनिक तत्वों पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Discuss the contribution of Jainism to Indian culture.
भारतीय संस्कृति में जैन धर्म के योगदान की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Write an essay on the expansion of Buddhism in Asia.
एशिया में बौद्ध धर्म के प्रसार पर एक निबन्ध लिखिये।

OR / अथवा

Describe the origin and development of Christianity in India.
भारत में ईसाई धर्म के उद्भव एवं विकास का वर्णन करें।

OR / अथवा

Write an essay on the Islamic beliefs and practices in the light of the Holy Quran.
पवित्र कुरआन की रौशनी में इस्लामी अक़ायद और आमाल पर एक निबंध लिखिए।

OR / अथवा

Write in details you know about the pontificate of Guru Arjan Dev.
गुरु अर्जन देव जी के गुरुयाई काल के बारे में सविस्तार नोट लिखिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....